BH 804

हकीकत
नगीनाबाड़ी ऽ 1993
मिति श्रावण वदि 1 ऽ 1993 से
आसाढ़ सुद 15 ऽ 1993 तक
(महाराणा श्री भोपाल सिंह जी)

144

BH 804
144

"कातीसुद१वारबुधेतारीख२५-११-१८३६ईस्वीरीउ
मुकामदेहली

हकीकत बहीड़ा नगीना बाड़ी संवत् 1993

(MMRI Code: BH 804)

पेज नं. 128

काती सुद 12 बुधे सवंत् 1993 तारीख 25.11.1936

मुकाम देहली

प्रभातेश्री जीहजुरअपोड़ीहोबीतरस्वादनमणक्
रधापादानकरदेहकारजकरचोसाकुधारणुई प
धेसलोकारीकीताबमुतालजाकरचानप्ररोगनाम
तेवीराजा. बादजीमणनप्ररोगा. बादवीराजा. बैठु
काबालोहमातहाजरहुवो. नजरमाफ ड. ललीनजरक
री. गुरेरचाजीहकीमरोलनड. कोमईम्हदहाजीरहुवे
नजरकरबेठो. पोड़ीदेरसेसीरवकरगामा. नोबजा
का. ऐरोड. राम. A. J. C कोप्रीनसीपुलकेपरन
ई. जे. ईनाइनाहबाईजाजबालोनप्रापो. दसापोस
करकुरसी. परबेठो. पोड़ीदेरसेसीरचकरगापो. ब
दलीचणनड. वेवारलीकेपतीकोसापनप्रापो. पो
ड़ीदेरसेसीरवकरगामो. बाद मोटराकोऐजेन्टमोटरा
~~क~~लामोसोमुलाऐजेकरीबादमालीसगुई. फेरजोली
येपदारसुरवकरमामो. पोड़ीदेरसेप्रचोड़ीटोवी
राजा. दोपहेराकोजीमणनप्ररोगा बादवीराजा बा
दमो६५. कोईसलप्रीमोधो. पढेघड़ीनप्रोचरकोटधार
नकरसाड़ा बजा मोटरसवारवेकसमीरगेटपदारदेल
४॥
ईबागसकीदुकानपरपदारपाधामोटरसवारवेबागले
पदारबीराजा. थोडीदेर बादसाड़ीपांचबजा मोटरस
वारवेसबजी मंडी सदरबजारवेचुनवरोड. वेनई
दील्लीपद्धार लाठसाबकीकोठीपदारपाधानप्रजमे
रीगेटवेदरीयागजवेकसमीरगेट वेबागलेराजपुर
रोड. नंबरपमेपदारबीराजा. बाद जोरीलालनकराणता
५।
मालकीदुकानकासुमतीदासहाजीरहुवानजरऐ
७॥

हकीकत बहीड़ा नगीना बाड़ी संवत् 1993

(MMRI Code: BH 804)

पेज नं. 129

प्रबाते श्री जी हजुर अपोड़ी हो चीतर का दरसण कर छायादान कर देह कारज कर पोसाक धारण हुई पछे सलोक री कीताब मुलाहजा कर चा अरोग नाम ले बीराजया बाद जीमण अरोगया बाद बीराजया बंदुका वालो हमात हाजर हुवो नजर माफ डाली नजर करी –भुरे खा जी हकीम रो लड़को सईयद हाजीर हुवो नजर कर बेठो थोडी देर से सीख कर गया –नो बजया का ऐरोडराम ए जे इ (ए टी सी) को प्रीनसीपुल केपटन ई. जे. ईनडन हवाई जाज वालो आयो दस्तापोसी कर कुरसी पर बेठो थोडी देर से सीख कर गयो –बाद लीच एनड वेबारनी कंपनी को साब आयो थोड़ी देर से सीख कर गयो –बाद मोटरा को एजेंट मोटरा लायो सो मुलाएजे करी बाद मालीस हुई फेर ढोलीये पे पदार सुख फरमायो थोड़ी देर से अपोड़ी हो वीराजया दोपहेरा को जीमण अरोगया बाद बीराजया बाद मोठड़ा को केस अंगोछो पछेवड़ी ओवर कोट धारन कर साड़ा चार बजया मोटर सवार वे कसमीर गेट पदार ईलाई बगस की दुकान पर पदार पाछा मोटर सवार वे बंगले पदार बीराजया थोडी देर बाद साड़ी पांच बजया मोटर सवार वे सबजी मंडी सदर बजार वे कुतबरोड़ वे नई दीली पदार लाठ साब की कोठी पदार पाछा अजमेरी गेट वे दरीयागज वे कसमीर गेट वे बंगले राजपुर रोड़ न. 15 मे पदार बीराजया सवा छ बजया बाद जोरी नानकराम नाथुलाल की दुकान का समतीदास हाजीर हुवा नजर एक.....